स्वच्छ दूध उत्पादन (किसानों के लिए सरल मार्गदर्शिका)

स्वच्छ दूध उत्पादन का मतलब है **साफ, सुरक्षित और स्वास्थ्यकर तरीके से दूध उत्पादन करना**। स्वच्छ दूध में गंदगी, हानिकारक जीवाणु, बदबू और मिलावट नहीं होती। यह मानव स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है और किसानों को अच्छा दाम भी दिलाता है।

यदि दूध निकालते समय, संभालते समय या रखने में सावधानी नहीं रखी जाए, तो दूध जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए किसानों को कुछ आसान बातों का ध्यान रखना चाहिए।

स्वच्छ दूध उत्पादन क्यों जरूरी है

- **लोगों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा** : साफ दूध से दस्त, टीबी और फूड प्वाइजनिंग जैसी बीमारियां नहीं होती
- **किसानों की आय बढ़ती है** : साफ दूध का बाजार में अच्छा दाम मिलता है
- **दूध ज्यादा समय तक खराब नहीं होता**
- **दही, पनीर, घी की गुणवत्ता अच्छी होती है**
- **दूध की बर्बादी कम होती है**

दूध खराब होने के कारण

दूध कई कारणों से खराब हो सकता है:

1. **पशु का शरीर** : गंदा थन, पूंछ और पैर
2. **दूध निकालने वाले के हाथ** : गंदे हाथों से कीटाणु आते हैं
3. **बर्तन और उपकरण** : गंदे बर्तन
4. **आसपास का वातावरण** : धूल, गोबर, मक्खियां
5. **पानी** : गंदा पानी
6. **बीमार पशु** : बीमार पशु का दूध

स्वच्छ दूध उत्पादन के तरीके

1. पशु की देखभाल

- पशु को **बीमारियों से बचाएं** (टीकाकरण करवाएं)
- नियमित **कृमिनाशक (deworming)** कराएं
- मास्टाइटिस वाले पशु का दूध उपयोग न करें
- संतुलित आहार और साफ पानी दें
- पशुशाला साफ रखें

2. पशुशाला की सफाई

- रोजाना सफाई करें
- गोबर और पेशाब तुरंत हटाएं
- पानी निकासी की सही व्यवस्था हो
- फर्श सूखा रखें
- मक्खियों को नियंत्रित करें
- हवा आने-जाने की व्यवस्था रखें

3. दूध निकालने वाले की सफाई

- दूध निकालने से पहले हाथ साबुन से धोएं
- नाखून छोटे रखें
- साफ कपड़े पहनें
- दूध निकालते समय खांसें या छींकें नहीं
- पशु के पास थूकना या धूम्रपान न करें

4. थन की सफाई

- थन और स्तनों को साफ पानी से धोएं
- साफ कपड़े से पोंछकर सुखाएं
- हर पशु के लिए अलग कपड़ा उपयोग करें
- पहली धार (foremilk) फेंक दें

5. सही तरीके से दूध निकालना

- पूरे हाथ से दूध निकालें (उंगलियों से न खींचें)
- रोज एक ही समय पर दूध निकालें
- शांत वातावरण में दूध निकालें
- जल्दी और पूरा दूध निकालें

6. साफ बर्तनों का उपयोग

- स्टील या एल्यूमिनियम के बर्तन उपयोग करें
- प्लास्टिक के बर्तन से बचें
- गर्म पानी और साबुन से धोएं
- धूप में सुखाएं
- बर्तनों को ढककर रखें

7. दूध छानना

- साफ कपड़े या छलनी से दूध छानें
- इससे बाल, धूल आदि हट जाते हैं

8. दूध को ठंडा करना

- दूध निकालने के तुरंत बाद ठंडा करें
- ठंडी जगह पर रखें
- बर्फ या ठंडा पानी उपयोग कर सकते हैं
- ज्यादा देर तक बाहर न रखें

9. भंडारण और परिवहन

- साफ और ढके हुए बर्तन में रखें
- नया और पुराना दूध न मिलाएं
- जल्दी डेयरी तक पहुंचाएं
- धूप से बचाएं

10. मिलावट से बचें

- दूध में पानी न मिलाएं
- कोई केमिकल न डालें

मास्टाइटिस से बचाव

मास्टाइटिस एक आम बीमारी है:

लक्षण:

- थन में सूजन
- दूध निकालते समय दर्द
- दूध में गाठें या पानी जैसा दूध

बचाव:

- थन की सफाई रखें
- सही तरीके से दूध निकालें
- दूध निकालने के बाद दवा (teat dip) करें
- बीमार पशु का इलाज करवाएं

साफ पानी का महत्व

- हमेशा साफ पानी का उपयोग करें
- गंदे तालाब का पानी न लें
- संभव हो तो उबला या शुद्ध पानी उपयोग करें

सरकारी सहायता

किसान निम्न सुविधाओं का लाभ ले सकते हैं:

- प्रशिक्षण कार्यक्रम
- पशु चिकित्सा सेवाएं
- दूध जांच सुविधाएं
- डेयरी योजनाएं

हरियाणा के किसानों के लिए लाभ

- दूध का बेहतर दाम मिलेगा
- दूध रिजेक्ट नहीं होगा
- पशु स्वस्थ रहेंगे
- दूध उत्पादन बढ़ेगा
- खरीदारों का विश्वास बढ़ेगा